ग्वालियर | सोमवार | 27 जुलाई 2026 | वर्ष 31 | अंक 342 | पृष्ठ 12 | मूल्य रु. 5.00
navabharat.com | twitter.com/Nava_Bharat | fb.me/NavaBharat.Social

नव भारत

राष्ट्रहित का पक्षी 1934 से

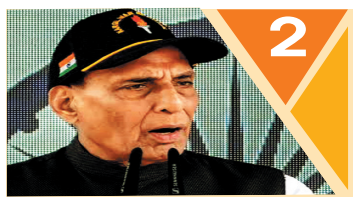
2 राजनाथ का पाक को दो टूक

4 महामंडलों में नियुक्तियां क्यों नहीं?

9 आयकर विभाग को सीतारमण के सात मंत्र

10 वैभव की विस्फोटक 81 रन की पारी

सुधार के लिए टास्कफोर्स

परीक्षा सुधार के लिए नीलेकणी की अध्यक्षता में बनेगी समिति

245 से अधिक जिलों के 5,000 से ज्यादा स्वयंसेवक पीएम से जुड़े

07 बजे शाम इंस्टाग्राम पर पीएम ने साझा किया वीडियो

नई दिल्ली, 26 जुलाई. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने परीक्षा सुधारों के लिए नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता में शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए एक उच्च स्तरीय समिति बनाने का ऐलान किया है.

श्री मोदी ने रविवार शाम एक वीडियो संदेश में कहा कि विश्व प्रसिद्ध तकनीक विशेषज्ञ नंदन नीलेकणि के नेतृत्व में एक हाई-पावर टास्क समिति बनाने का निर्णय लिया गया है, जो परीक्षा सुधारों पर ध्यान केंद्रित करेगी और आने वाली परीक्षाओं की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने संबंधी रिपोर्ट देगी, जिसपर काम किया जाएगा. प्रधानमंत्री ने कहा, सरकार फास्ट ट्रैक कोर्ट बना चुकी है और हम कल संसद में कठोर प्रावधानों के साथ एक नया कानून बनाने की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं. लेकिन हमें भविष्य के लिए सोचना है. परीक्षा पद्धति विश्वस्त हो, पारदर्शी हो और उसमें अधिक से अधिक तकनीक का इस्तेमाल हो. श्री मोदी ने एक वीडियो संदेश में कहा कि विद्यार्थियों के भविष्य के लिए भारत सरकार लगातार कदम उठा रही है. जिन लोगों ने विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया, वे जेलों में सड़ रहे हैं.

पीएम मोदी ने किया युवाओं से संवाद

देश के सीमावर्ती गांवों को करीब से देखने और वहां के लोगों के जीवन को समझने वाले युवाओं ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने अनुभव साझा किए. विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम 2026 के तहत देशभर के 245 से अधिक जिलों के 5,000 से ज्यादा स्वयंसेवक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रधानमंत्री से जुड़े. संवाद के दौरान युवाओं ने बताया कि सीमांत क्षेत्रों की वास्तविक तस्वीर उनकी कल्पना से बिल्कुल अलग निकली. पीएम मोदी ने गावों को विकसित बनाने पर चर्चा की. जहां उन्होंने आधुनिक सड़कें, बिजली, मोबाइल नेटवर्क, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं और शिक्षा के क्षेत्र में हुए बदलाव को नजदीक से देखा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी युवाओं के अनुभवों को विकसित भारत की यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए कहा कि सीमा पर बसे गांव देश के आखिरी नहीं बल्कि पहले गांव हैं.

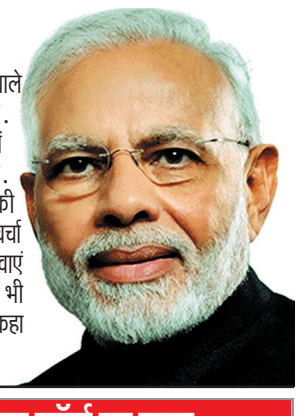

परीक्षा सुधार के लिए छह सदस्यीय टास्क फॉर्स का गठन

नंदन नीलेकणी इंफोसिस के सह-संस्थापकह्य
डॉ. एस. सोमनाथ इसरो के पूर्व अध्यक्ष
तपन डेका इंटेलिजेंस ब्यूरो के पूर्व डायरेक्टर
वी. कामकोटी आईआईटी मद्रास के डायरेक्टर
अनीता करवाल शिक्षा मंत्रालय की पूर्व सचिव
अमृत लाल मीणा लॉजिस्टिक्स एक्सपर्ट

प्रधानमंत्री ने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपने अनुभव देश के अन्य युवाओं तक पहुंचाएं, ताकि अधिक से अधिक लोग सीमावर्ती गांवों को समझ सकें. प्रधानमंत्री ने कहा कि सीमांत क्षेत्रों का विकास केवल वहां रहने वाले लोगों के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश की सुरक्षा, समृद्धि और राष्ट्रीय एकता के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे युवा निरंतर आगे की ओर बढ़ रहे हैं. पीएम ने कहा कि सरकार की सोच में आए बदलाव का परिणाम है कि आज सीमावर्ती क्षेत्रों में गैस कनेक्शन, नल से जल, बेहतर इंटरनेट, सड़क और स्वास्थ्य जैसी सुविधाएं तेजी से पहुंच रही हैं. इन बुनियादी सुविधाओं के विस्तार से पर्यटन को भी बढ़ावा मिला है और जो गांव कभी सुनसान दिखाई देते थे, वहां अब नई रौनक देखने को मिल रही है. प्रधानमंत्री ने दोहराया कि विकसित गांव ही विकसित भारत की मजबूत आधारशिला हैं और इस लक्ष्य को हासिल करने में युवाओं की भागीदारी सबसे अहम है.

दोनों कलाई काटकर व्यापारी की हत्या

सांची में हुई वारदात, दो महीने पहले हुई थी युवक की शादी

नवभारत न्यूज

सलामतपुर, 26 जुलाई. रायसेन जिले के सांची थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात एक हार्डवेयर व्यापारी को अज्ञात बदमाशों ने रोका और तलवार से उसके हाथों की कलाइयां काट दी. गंभीर रूप से घायल व्यापारी की भोपाल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई.

मिली जानकारी के अनुसार रायसेन रोड पर मेड़की गांव के पास त्रिमूर्ति चौराहे से दुकान बंद कर मोटरसाइकिल से घर लौट रहे 28 वर्षीय हार्डवेयर व्यापारी

राकेश लोधी पिता प्रताप सिंह को अज्ञात बदमाशों ने रोककर तलवार से हमला कर दिया. बदमाश युवक को झाड़ियों में घसीटकर ले गए और जमीन पर पड़े पेड़ पर उसके हाथ रखकर तलवार से दोनों कलाइयां काट दीं.

मृतक के परिजनों के अनुसार, राकेश त्रिमूर्ति चौराहे पर स्थित 'हरिओम हार्डवेयर' की दुकान संचालित करता है. शनिवार रात करीब 10 बजे मंदिर में महाआरती में शामिल होने के बाद वह अपने गांव मेड़की लौट रहा था. मेड़की गाँव के सामने ही अंधेरी सड़क पर एक बाइक सवार 3 बदमाशों ने उसे हाथ देकर रोका और मारपीट करते हुए सड़क किनारे झाड़ियों में खींच ले गए.

(शेष पेज 2 पर)

पीओके में 27 से तीन चरणों में होगा चुनाव

इस्लामाबाद, 26 जुलाई. पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में 27 जुलाई से तीन चरणों में होने वाले विधानसभा चुनावों के पहले चरण की तैयारियां जारी हैं. इस बीच राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस चुनावी प्रक्रिया से महीनों से जारी अशांति के थमने या उन जन-समस्याओं के समाधान की उम्मीद बेहद कम है, जिनकी वजह से हजारों लोग सड़कों पर उतरने को मजबूर हुए हैं. यह चुनाव इस क्षेत्र में हाल के वर्षों के सबसे बड़े आंदोलन के बीच आयोजित किये जा रहे हैं.

तेलंगाना सरकार का बड़ा कदम

- 25 से घटाकर 21 साल में चुनाव लड़ने का प्रस्ताव
- विधानसभा के विशेष सत्र में प्रस्ताव होगा पारित

हैदराबाद, 27 जुलाई. तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 25 वर्ष से घटाकर 21 वर्ष करने की वकालत करते हुए बड़ा राजनीतिक प्रस्ताव सामने रखा है.

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस संबंध में विधानसभा से प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार को भेजेगी. इसके लिए अगस्त के पहले सप्ताह में विधानसभा और विधान परिषद का विशेष सत्र बुलाया जाएगा. मुख्यमंत्री ने यह घोषणा हैदराबाद में नीट पेपर लीक मामले के विरोध में आयोजित कैंडल लाइट मार्च के दौरान की. उन्होंने कहा कि देश की कुल आबादी में युवाओं, विशेषकर जेन-जी, की हिस्सेदारी लगभग 30 प्रतिशत है, लेकिन लोकसभा में उनका प्रतिनिधित्व एक प्रतिशत से भी कम है. उनका मानना है कि युवाओं को राजनीति में अधिक अवसर मिलने चाहिए, ताकि वे नीति निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सकें.

एक नजर में

बेंजामिन नेतन्याहू आज अमेरिका होंगे रवाना

तेल अवीव. इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को कैबिनेट की बैठक में अपनी आगामी अमेरिका यात्रा और ईरान सहित अन्य अहम मुद्दों पर चर्चा की. उन्होंने बताया कि वह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने और सांसद लिंडसे ग्राहम की श्रद्धांजलि सभा में शामिल होने के लिए सोमवार को वाशिंगटन रवाना होंगे. इजरायली प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के अभियोजक की भी आलोचना की. आरोप लगाया कि उनके खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट राजनीतिक और भ्रष्ट मंशा से प्रेरित थे.

गुस्ताखी माफ

जनरल-स्लीपर में बढ़ेंगे नॉन एसी कोच

- भीड़ कम करने 17 हजार नए नॉन एसी कोच तैयार
- रेलवे जनरल कोचों की संख्या भी बढ़ाएगा

नई दिल्ली, 27 जुलाई. भारतीय रेलवे ने जनरल और स्लीपर श्रेणी के यात्रियों को राहत देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाने की घोषणा की है.

संसद में दी गई जानकारी के अनुसार, लंबी दूरी की ट्रेनों में जनरल कोचों की संख्या बढ़ाई जा रही है. इसके साथ ही कम और मध्यम आय वर्ग के यात्रियों के लिए 17 हजार नए नॉन एसी कोच तैयार किए जा रहे हैं. रेलवे का मानना है कि इससे यात्रियों को अधिक सीटें मिलेंगी और भीड़ का दबाव कम होगा. रेलवे के अनुसार, पूरे वर्ष ट्रेनों में यात्रियों की संख्या समान नहीं रहती. छुट्टियों और त्योहारों के दौरान लोकप्रिय मार्गों पर ट्रेनों में क्षमता से अधिक भीड़ रहती है. इसी को ध्यान में रखते हुए पिछले दो वर्षों में कई लंबी दूरी की ट्रेनों में स्थायी रूप से अतिरिक्त जनरल कोच जोड़े गए हैं. वर्ष 2024-25 में 1,250 अतिरिक्त जनरल कोच लगाए गए, जबकि 2025-26 में 870 अतिरिक्त कोच शामिल किए गए, जिनमें 160 जनरल कोच थे. वहीं वर्ष 2026-27 में 30 जून तक 190 और कोच जोड़े जा चुके हैं, जिनमें 20 जनरल कोच शामिल हैं. रेलवे ने बताया कि वर्तमान नीति के अनुसार 22 कोच वाली अधिकांश मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों में 12 नॉन एसी जनरल एवं स्लीपर कोच तथा 8 एसी कोच रखे जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक यात्रियों को सस्ती यात्रा का विकल्प मिल सके. इसके अलावा अनारक्षित यात्रियों के लिए पैसेंजर, मेमू और ईएमयू सेवाएं भी लगातार संचालित की जा रही हैं.

अमेरिकी हमले रुकने के बाद ईरान ने भी हमले रोके : ईरानी सेना

तेहरान, 26 जुलाई. ईरान ने रविवार को कहा कि पिछली दो रातों से अमेरिकी हमले रुकने के बाद ईरानी सेना ने भी अपनी कार्रवाई रोक दी है. ईरानी सेना के प्रवक्ता आमिर अकरमिनिया ने कहा, अमेरिकियों ने पिछले दो रातों से अपने हमले बंद कर दिये हैं. चूंकि हमारी रणनीति पूरी तरह जवाबी कार्रवाई पर आधारित रही है, इसलिए हमने भी अपनी जवाबी सैन्य कार्रवाई रोक दी है. उन्होंने कहा कि अमेरिकी अधिकारियों के बीच रणनीति को लेकर स्पष्टता का अभाव दिखायी देता है.

राजनीति हो चुकी है भ्रष्ट : सिद्धारमैया

बेंगलुरु, 26 जुलाई. कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्धारमैया ने रविवार को घोषणा की कि वह 2028 का कर्नाटक विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे. उन्होंने इस निर्णय के पीछे अपनी बढ़ती उम्र, स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों और राजनीति में बढ़ते भ्रष्टाचार को प्रमुख कारण बताया.

उन्होंने कहा कि उनके इस बयान के बाद राज्य की राजनीति में भविष्य के नेतृत्व को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं. सिद्धारमैया ने सामाजिक मंच एक्स पर अपने

2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे

संदेश में कहा कि वह वर्तमान में 79 वर्ष के हैं और राज्य सरकार का मौजूदा कार्यकाल पूरा होने तक उनकी उम्र 81 से 82 वर्ष के बीच हो जाएगी. उन्होंने कहा कि उनकी सेहत अब पहले जैसी नहीं रही और पहले जैसी ऊर्जा तथा उत्साह के साथ चुनावी राजनीति करना संभव नहीं है. इसलिए उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय लिया है. मांड्या जिले में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राजनीति में लगातार बढ़ता भ्रष्टाचार भी उनके फैसले का एक महत्वपूर्ण कारण है. उनके अनुसार, सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता और जनसेवा के मूल्यों को बनाए रखना आज पहले से अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है.

मणिपुर में 5 उग्रवादी और 2 ड्रग तस्कर गिरफ्तार

इंफाल, 27 जुलाई. मणिपुर में सुरक्षा बलों ने पिछले 24 घंटों के दौरान अलग-अलग अभियानों में पांच उग्रवादियों और दो ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है. पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कार्रवाई के दौरान बड़ी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक और नशीले पदार्थ भी बरामद किए गए हैं.

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार किए गए पांच उग्रवादी प्रतिबंधित संगठनों कांगलेईपाक कम्युनिस्ट पार्टी, कांगलेई यावोल कन्ना लुप और यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट से जुड़े हैं. इन पर अपहरण, जबरन वसूली और संगठन के लिए नए सदस्यों की भर्ती जैसी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप हैं. इन्हें इंफाल ईस्ट, काकचिंग और थोउबल जिलों में अलग-अलग अभियानों के दौरान पकड़ा गया. थौबल जिले के थौबल बाजार क्षेत्र से यूएनएलएफ के दो सक्रिय सदस्यों, मुतुम सीताराज सिंह उर्फ सैमलांग और थोउना ओजाम राकेश मैतेई उर्फ अमुबा उर्फ पंगेइंगकपा को गिरफ्तार किया गया. कार्रवाई के दौरान उनके कब्जे से एक मारुति सुजुकी स्विफ्ट कार भी जब्त की गई, जिसका इस्तेमाल वे कर रहे थे. एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने इंफाल-जिरीबाम राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-37) पर इंफाल वेस्ट जिले के पटसोई लमखाई स्थित एक ऑटो केयर वर्कशॉप पर छापा मारा. यहां साबुन के 30 डिब्बों में छिपाकर रखी गई 346 ग्राम संदिग्ध ब्राउन शुगर बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत 50 लाख रुपये से अधिक बताई गई है.

पीएम के भरोसे पर खरा उतरूंगा : जोशी

- प्रह्लाद जोशी ने संभाला केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पदभार
- पहले ही दिन अधिकारियों संग की उच्चस्तरीय बैठक

नई दिल्ली, 26 जुलाई. केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने रविवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया है. कार्यभार संभालने के बाद शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक भी की.

जोशी को यह जिम्मेदारी ऐसे समय सौंपी गई है, जब देश में शिक्षा व्यवस्था, प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे विषयों पर व्यापक चर्चा चल रही है. पद

संभालने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए जोशी ने कहा, प्रधानमंत्री ने मुझ पर पूरा भरोसा जताया है और मुझे यह जिम्मेदारी सौंपी है. मैं कल कर्नाटक में था, रात को यहां पहुंचा और आज सुबह पद संभालने और मंत्रालय का काम देखने के लिए यहां आया हूं. उन्होंने कहा, मैंने पूरे मंत्रालय को समझने की कोशिश की है. रविवार सुबह 1:00 बजे से दोपहर 3.00 बजे तक मैंने लगातार बैठकें कीं. यह विषय मेरे लिए नया है, इसलिए इसे पूरी तरह समझने के बाद मैं आपसे विस्तार से बात करूंगा. इससे पहले, सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में जोशी ने कहा, आज मैंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के तौर पर पदभार संभाला. मुझ पर भरोसा करने और मुझे यह जिम्मेदारी सौंपने के लिए मैं प्रधानमंत्री मोदी का आभारी हूं. उन्होंने कहा, मैं इसे विनम्रता और कर्तव्य की गहरी भावना के साथ स्वीकार करता हूं.

शांतिपूर्ण प्रदर्शन लोकतंत्र के लिए आवश्यक : राहुल

- राहुल गांधी ने शाह को लिखा पत्र, मांगा जवाब
- सादे कपड़ों में लाठी लेकर छात्रों को पीटते कौन थे

नई दिल्ली, 26 जुलाई. कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर 20 जुलाई को जंतर मंतर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई पर जवाबदेही तय करने, पैलेट गन के इस्तेमाल करने की जांच कराने और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है.

श्री गांधी ने कहा कि दिल्ली में तैनात सुरक्षा बल अंतत: गृह मंत्री के प्रति जवाबदेह हैं. उन्होंने श्री शाह से पूछा कि क्या गृह मंत्री के रूप में उन्होंने छात्रों के खिलाफ पैलेट गन सहित घातक

बल के इस्तेमाल की अनुमति दी थी. यदि नहीं, तो इसकी अनुमति किसने दी. उन्होंने यह भी पूछा कि सादे कपड़ों में लाठी लेकर छात्रों को पीटते दिखाई देने वाले लोग पुलिसकर्मी थे या स्वयंसेवक तथा उनकी तैनाती किसके आदेश पर की गई. श्री गांधी ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन लोकतंत्र के लिए आवश्यक है. सरकार की जिम्मेदारी है कि वह प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करे और उनकी शिकायतों का समाधान संवाद के माध्यम से करे.

श्री गांधी ने शनिवार को लिखे इस पत्र को सार्वजनिक करते हुए रविवार को कहा कि छात्र निष्पक्ष और जवाबदेह शिक्षा व्यवस्था की मांग को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन उनकी बात सुनने के बजाय सुरक्षा बलों ने उन पर अंधाधुंध बल प्रयोग किया. उन्होंने आरोप लगाया कि इस कार्रवाई में पैलेट गन, आंसू गैस और अन्य घातक साधनों का इस्तेमाल किया गया, जिससे सैकड़ों छात्र गंभीर रूप से घायल हुए. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि महिला छात्राओं के साथ भी पुलिसकर्मियों द्वारा दुर्व्यवहार किया गया और जानबूझकर उनको निजी स्तर पर निशाना बनाया गया. उन्होंने कहा कि सबसे गंभीर आरोप पैलेट गन के इस्तेमाल का है. मीडिया और सोशल मीडिया में सामने आई रिपोर्टों के अनुसार कई लोग, जिनमें एक पत्रकार भी शामिल है, पैलेट गन के इस्तेमाल से गंभीर रूप से घायल हुए हैं. उन्होंने 19 वर्षीय साहिल लोचाब से मुलाकात की, जो गंभीर पीड़ा में है और पैलेट गन लगने के कारण उसकी एक आंख की रोशनी जाने की आशंका है.

शनि की उल्टी चाल | साढ़े चार महीने की यह अवधि आत्ममंथन, रुके हुए कामों की समीक्षा और कर्म सुधार की रहेगी

27 जुलाई से 11 दिसंबर 2026 तक किसकी परीक्षा, किसको इनाम

डॉ. आशुतोष उपाध्याय

कर्मफल दाता शनि आज 27 जुलाई 2026 को मीन राशि में वक्री हो रहे हैं और 11 दिसंबर 2026 तक इसी अवस्था में रहेंगे. साढ़े चार महीने की यह अवधि आत्ममंथन, रुके हुए कामों की समीक्षा, विलंबित परिणामों और कर्म सुधार की रहेगी.

आमतौर पर माना जाता है कि शनि की वक्री चाल दंड लेकर आती है, पर वास्तव में यह समीक्षा

का दौर है. वक्री ग्रह नई घटनाएं कम बनाते हैं, अधूरे पुराने प्रसंग दोबारा सामने ले आते हैं. मेहनत, ईमानदारी और अनुशासन से बनाई गई चीजें इस दौरान और मजबूत होती हैं, जबकि शॉर्टकट, टाले गए दायित्व और अनसुलझे कर्म ध्यान खींचने लगते हैं. मीन राशि गुरु की राशि है और अध्यात्म, करुणा, अंतर्ज्ञान तथा मोक्ष का प्रतीक है. इसलिए यह गोचर व्यावहारिक जिम्मेदारियों और आंतरिक ज्ञान के बीच संतुलन बनाने को कहता है. इस अवधि में कई लोग करियर के फैसले, आर्थिक योजना, रिश्ते और जीवन के दीर्घकालिक लक्ष्य दोबारा जांचेंगे. यह समय प्राथमिकताएं तय करने, पुरानी गलतियां सुधारने, अधूरे काम पूरे करने और बड़े निर्णयों से पहले धैर्य रखने का है.

किस राशि पर क्या असर

मेष: व्यावसायिक प्रगति अपेक्षा से धीमी लग सकती है और कार्यालय की छिपी राजनीति सामने आ सकती है. विदेश से जुड़े काम या अंतरराष्ट्रीय अवसर, जो पहले अटक गए थे, दोबारा गति पकड़ सकते हैं. स्वास्थ्य, यात्रा और पारिवारिक जिम्मेदारियों पर अचानक खर्च बढ़ सकता है, इसलिए बजट सोच समझकर बनाएं. जल्दबाजी में नौकरी बदलना उचित नहीं है. नींद की कमी और तनाव पर ध्यान दें. ध्यान, तीर्थयात्रा और सेवा कार्य के लिए यह उत्तम अवधि है. **वृषभ:** यह भाव आय, लाभ, मित्र मंडल और महत्वाकांक्षाओं का है. रुकी हुई पदोन्नति अब गति पकड़ सकती है और पुराने संपर्क तथा पुराने ग्राहक फिर उपयोगी सिद्ध होंगे. आर्थिक स्थिति में क्रमिक सुधार संभव है, पर सट्टे जैसे निवेश से दूरी रखें. मित्रता के दायरे में बदलाव आएगा और सच्चे शुभचिंतक स्पष्ट दिखने लगेंगे. काम और विश्राम में संतुलन बनाए रखें. **मिथुन:** करियर की दृष्टि से यह सबसे महत्वपूर्ण गोचरों में से एक है. शनि आपकी कार्यशैली की बारीकी से परीक्षा लेंगे. जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, संस्थागत पुनर्गठन या नेतृत्व की भूमिका मिल सकती है. प्रशासन, सरकारी सेवा, इंजीनियरिंग, मीडिया, शिक्षा और तकनीक से जुड़े लोगों के लिए बड़े बदलाव संभव हैं. वरिष्ठ अधिकारियों से टकराव टालें.

(शेष पेज 2 पर)